भाग अ- परिचय			
कार्यक्रम :	कक्षा : स्नातकोत्तर तृतीय सेमे. प्रथम प्रश्न पत्र	वर्ष: द्वितीय	सत्र:
विषय : हिंदी साहित्य			

1	पाठ्यक्रम का कोड	....
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	भारतीय साहित्य
3	पाठ्यक्रम का प्रकार	केंद्रिक पाठ्यक्रम
4	पूर्वापेक्षा	स्नातक उत्तीर्ण विद्यार्थी इस पाठयक्रम के लिए पात्र हैं।
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम)	**इस पाठयक्रम के सफल समापन पर विद्यार्थी निम्न में सक्षम होंगे** 1. छात्र हिंदी साहित्य के अखिल भारतीय परिप्रेक्ष्य से परिचित होंगे। 2. विद्यार्थियों को हिंदीतर भाषाओं के साहित्य का स्थूल परिचय प्राप्त होगा। 3. भारतीय साहित्य में व्यक्त भारतीयता की पहचान होगी। 4. हिंदी में अनूदित साहित्य से परिचय होगा। 5. भारतीय साहित्य के अध्ययन से विद्यार्थी भारत की राष्ट्रीय एकता एवं विविधता से भिज्ञ हो सकेंगे।
6	क्रेडिट मान	05
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 60+40 | न्यूनतम उत्तीर्णांक : 40

भाग ब – पाठयक्रम की विषयवस्तु		
व्याख्यान की कुल संख्या–		90(व्याख्यान+गतिविधि)
इकाई	विषय	व्याख्यान की सं.90 (01घंटा/व्याख्यान)
प्रथम	भारतीय ज्ञान परंपरा और भारतीय साहित्य की अवधारणा भारतीयता : परिभाषिक परिप्रेक्ष्य में भारतीय, भाषा और साहित्य में भारतीयता का बोध भारतीय साहित्य और संस्कृति का अंतर्संबंध **गतिविधि –सांस्कृतिक संग्रहालय भ्रमण, शोध आलेख**	15+3 (व्याख्यान+गतिविधि)
द्वितीय	भारतीय भाषाओं के प्रमुख उपन्यास (बांग्ला, मराठी) बंकिमचन्द्र चटर्जी - आनंदमठ शिवाजी सावंत - मृत्युंजय **गतिविधि – शोध आलेख, समीक्षा**	15+3 (व्याख्यान+गतिविधि)
तृतीय	भारतीय भाषाओं के प्रमुख उपन्यास (कन्नड़ , हिंदी) भैरप्पा आवरण (कन्नड़) हजारी प्रसाद द्विवेदी - बाणभट्ट की आत्मकथा (हिंदी) **गतिविधि –आलेख लेखन, समीक्षा**	15+3 (व्याख्यान+गतिविधि)

चतुर्थ	भारतीय भाषाओं की कहानियाँ - मां की ममता (तेलुगु कहानी) - रावुरि भारद्वाज मृत्युदंड (तमिल कहानी) - कल्कि कृष्णमूर्ति गूलर के फूल (ओड़िया कहानी) - अखिल मोहन पटनायक खून का रिश्ता (मलयालम कहानी) - तकषी शिवशंकर पिल्लै **गतिविधि – कहानी पाठ, समीक्षा**	**15+3** **(व्याख्यान+गतिविधि)**
पंचम	भारतीय भाषाओं की कविताएँ (असमिया, कन्नड़, बांग्ला, मराठी, गुजराती)- आधुनिक भारतीय कविता - सं. डॉ. अवधेश नारायण मिश्र तथा नन्द किशोर पाण्डेय वि.वि. प्रकाशन, वाराणसी कविताएँ- 1. असमिया कविताएँ- अ) नवकांत बरूआ- धनशिरी के लिए दो स्तबक ब) हीरेन भट्टाचार्य- पृथ्वी मेरी कविता, कविता के लिएःएकांत प्रार्थना 2. कन्नड़ कविताएँ- अ) विनायक कृष्ण गोकाक- बादल, धरतीः की नजर में 3. बांग्ला कविताएँ- अ) रवीन्द्रनाथ ठाकुर- जहाँ चित भय शून्य, शंख ब) काजी नजरूल इस्लाम- किसका है यह देश, हे पार्थ सारथी 4. मराठी कविताएँ- अ) कुसुमाग्रज- पृथ्वी का प्रेम गीत, याचक 5. गुजराती कविताएँ- अ) उमाशंकर जोशी- वर दे इतना, छोटा मेरा खेत **गतिविधि – शोध आलेख, समीक्षा, कविता पाठ**	**15+3** **(व्याख्यान+गतिविधि)**

सार बिंदु (Keywords/Tags): भारतीय साहित्य, भारतीयता, भारतीय संस्कृति

भाग स –अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

अनुशंसित सहायक पुस्तकें / ग्रंथ/ अन्य पाठ्य संसाधन/ पाठ्य सामग्री

1.भारतीय साहित्य-सं. डॉ. नगेंद्र, प्रभात प्रकाशन
2.भारतीय दर्शन - डॉ. बल्देव उपाध्याय,चौखंभा, संस्कृत भवन, वाराणसी
3.भारतीय दर्शन की रूपरेखा- डॉ. बल्देव उपाध्याय,चौखंभा ओरियन्टालिया, दिल्ली
4. राष्ट्रीयता एवं भारतीय साहित्य डॉ. शशि तिवारी, विद्यानिधि प्रकाशन
5. भारतीयता की पहचान-डॉ. विद्यानिवास मिश्र, वाणी प्रकाशन
6. संस्कृति के चार अध्याय-दिनकर, लोक भारती प्रकाशन

7. भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएँ- डॉ. रामविलास शर्मा, वाणी प्रकाशन
8.भारतीय चिंतन परंपरा-के. दामोदरन, पीपुल्स पब्लिशिंग हाउस
9.आधुनिक भारतीय चिंतन-डॉ. विश्वनाथ नरवणे, राजकमल प्रकाशन
10.आज का भारतीय साहित्य-सं. साहित्य अकादमी, दिल्ली
11. भारतीय भाषाओं के साहित्य का संक्षिप्त इतिहास-केंद्रीय हिंदी निदे. शिक्षा तथा समाज कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार
12. हिंदी साहित्य के विकास में दक्षिण का योगदान-सं. रेड्डी राव/अप्पल राजु, राजपाल एंड संस, दिल्ली
13. भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास -सं. डॉ. नगेंद्र, हिंदी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय दिल्ली विश्वविद्यालय
14. भारतीय ज्ञान परंपरा - सं. अशोक कडेल , मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल
15. संवाद और हस्तक्षेप खंड 27 भारतीय ज्ञान परंपरा, सं. कैलाशचंद्र पंत, मध्यप्रदेश राष्ट्र भाषा प्रचार समिति, भोपाल
16. उन आंखों की कथा, रावुरि भारद्वाज एवं भीमसेन निर्मल, ज्ञानपीठ वाणी प्रकाशन
17. तमिल की लोकप्रिय कहानियां, डॉ. ए भवानी, प्रभात प्रकाशन
18 भारतीय शिखर कथा कोश: ओड़िया कहानियां, सं. कमलेश्वर, पुस्तकायन प्रकाशन, नई दिल्ली.
19. भारतीय साहित्य, सं. आर आई संथी, डॉ. प्रकाश ए. , वाणी प्रकाशन

अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म/बेबलिंक

https://hindikahani.hindi-kavita.com/Hk-Oriya-Kahaniyan-Aur-Lok-Kathayen.php

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम

भाग द - अनुशंसित मूल्यांकन विधियां

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां

अधिकतम अंक : 100

सतत व्यापक मूल्यांकन अंक : 40 विश्वविद्यालय परीक्षा (UE): 60

आंतरिक मूल्यांकन : **सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE):**	**क्लास टेस्ट** **असाइनमेंट/ प्रस्तुतिकरण (Presentation)**	**20** **20= 40**
आकलन: विश्वविद्यालयीन परीक्षा समय : 03:00 घंटा	**अनुभाग अ- वस्तुनिष्ठ प्रश्न** **अनुभाग ब- लघु उत्तरीय प्रश्न** **अनुभाग स- दीर्घ उत्तरीय प्रश्न**	**60**

कोई टिप्पणी / सुझाव

भाग अ- परिचय			
कार्यक्रम :	कक्षा : स्नातकोत्तर तृतीय सेमे. द्वितीय प्रश्न पत्र	वर्ष: प्रथम	सत्र:

विषय : हिंदी साहित्य

1	पाठ्यक्रम का कोड	....	
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	लोक साहित्य	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार	केंद्रिक पाठ्यक्रम	
4	पूर्वापेक्षा	स्नातक उत्तीर्ण विद्यार्थी इस पाठयक्रम के लिए पात्र हैं।	
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम)	इस पाठयक्रम के सफल समापन पर विद्यार्थी निम्न में सक्षम होंगे 1.भारत की समृद्ध लोक साहित्य परंपरा से विद्यार्थी परिचित हो सकेंगे। 2.भारतीय लोक साहित्य में ध्वनित लोकजीवन और लोक संस्कृति को समझने का अवसर मिलेगा। 3.भारत के विविध आंचलिक क्षेत्रों में अलग-अलग लोक भाषाओं में लोक साहित्य का सृजन हुआ है, जिसके साहित्यिक एवं भाषिक सौंदर्य पर शोध अपेक्षित है। विद्यार्थियों को अनुसंधान एवं रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे।	
6	क्रेडिट मान	05	
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 60+40	न्यूनतम उत्तीर्णांक : 40

भाग ब – पाठयक्रम की विषयवस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या– 90 (व्याख्यान+गतिविधि)

इकाई	विषय	व्याख्यान की सं. 90 (01घंटा/व्याख्यान)
प्रथम	**लोक साहित्य : अवधारणा, स्वरूप एवं महत्व** लोक और लोक साहित्य, लोक साहित्य और साहित्य: साम्य -वैषम्य, लोक साहित्य: व्याप्ति और वैशिष्ट्य, लोक साहित्य का महत्व : भारतीय ज्ञान परंपरा में लोक साहित्य का अवदान **गतिविधि – शोध आलेख लेखन, भ्रमण**	15+3 (व्याख्यान+गतिविधि)
द्वितीय	**लोक साहित्य की विविध विधाएँ** लोकगीत, लोककथा, व्रतकथा, लोकगाथा , पहेलियाँ , कहावतें और मुहावरे, लोकमंच - संरचना और व्यवस्थापन , लोक नाट्य एवं लोक नृत्य **गतिविधि –लोकगीतों का लेखन, गायन एवं संकलन, लोक नाट्यों का मंचन, लोक नृत्यों का प्रदर्शन**	15+3 (व्याख्यान+गतिविधि)
तृतीय	**लोक साहित्य और संस्कृति**– लोक विश्वास , प्रकृति पूजन, व्रत-उपवास , पर्व और पर्व स्नान, शकुन विचार, संस्कार , लोक रीतियाँ, लोक रूढ़ियाँ,	15+3 (व्याख्यान+गतिविधि)

मंजु तिवारी

	लोककल्याण का भाव और मूल्य चेतना **गतिविधि – भ्रमण, लोक कथाओं का संग्रहण**	
चतुर्थ	**लोक साहित्य में लोक जीवन** विमर्श के विविध आयाम लोक साहित्य में स्वातंत्र्य चेतना लोक साहित्य में दार्शनिक चिंतन लोक साहित्य में नारी, दलित एवं आदिवासी विमर्श लोक साहित्य में पर्यावरण विमर्श लोक जीवन की जटिल समस्याओं के समाधान **गतिविधि – लोक साहित्य पर परिचर्चा, संगोष्ठी आयोजन**	**15+3 (व्याख्यान+गतिविधि)**
पंचम	**लोक साहित्य का कलापक्षीय सौंदर्य और प्रदेय** लोकभाषा सौष्ठव , अलंकारिता , प्रतीकात्मकता, बिंबात्मकता, उक्ति वैचित्र्य, गेयता लोक साहित्य के प्रति नवीन मान्यताएँ , राष्ट्रीय संरक्षण की आवश्यकता और योजनाएँ, आधुनिक लोक साहित्य और नवीन संभावनाएँ, लोक साहित्य का साहित्य पर प्रभाव लोक साहित्यकार : बघेली, बुंदेली, मालवी **गतिविधि – शोध आलेख, लोक साहित्य पर परिचर्चा, संगोष्ठी आयोजन**	**15+3 (व्याख्यान+गतिविधि)**

सार बिंदु **(Keywords/Tags):**लोक साहित्य, लोक जीवन, लोककथा, लोकगाथा, लोक संस्कृति

भाग स –अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

अनुशंसित सहायक पुस्तकें / ग्रंथ/ अन्य पाठ्य संसाधन/ पाठ्य सामग्री

1. लोक साहित्य - डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय (भारतीय ज्ञानपीठ)
2. भारतीय लोक साहित्य - डॉ. श्याम परमार (राजकमल प्रकाशन)
3. लोक साहित्य की भूमिका - डॉ. पीतांबर दत्त बड़थ्वाल (भारतीय ज्ञानपीठ)
4. भारतीय लोक कथा साहित्य - डॉ. कमला रत्नम (राजपाल एंड संस)
5. लोक साहित्य और संस्कृति - डॉ. शांति स्वरूप गुप्ता (अभिव्यक्ति प्रकाशन)
6. लोक साहित्य की भूमिका - कृष्णदेव उपाध्याय, साहित्य भवन प्रा.लि. इलाहाबाद
7. कथा वार्ता"- डॉ कपिल तिवारी, (हिन्दी) आदिवासी लोक कला एवं बोली विकास अकादेमी, भोपाल
8. संस्कृति के चार अध्याय - रामधारी सिंह दिनकर, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली 1956
9. लोक साहित्य और वैश्वीकरण - डॉ सरोज गुप्ता, डॉ संगीता सुहाने, अनुभूति पब्लिशर, इलाहाबाद
10. भारतीय ज्ञान परंपरा - सं. अशोक कड़ेल , मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल
11. संवाद और हस्तक्षेप खंड 27 भारतीय ज्ञान परंपरा, सं. कैलाशचंद्र पंत, मध्यप्रदेश राष्ट्र भाषा प्रचार समिति, भोपाल

अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म/बेबलिंक

https://books.google.com

https://egyankosh.ac.in		
अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम		
भाग द - अनुशंसित मूल्यांकन विधियां		
अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां **अधिकतम अंक : 100** **सतत व्यापक मूल्यांकन अंक : 40 विश्वविद्यालय परीक्षा (UE): 60**		
आंतरिक मूल्यांकन : सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE):	**क्लास टेस्ट** **असाइनमेंट/ प्रस्तुतिकरण (Presentation)**	**20** **20= 40**
आकलन: विश्वविद्यालयीन परीक्षा समय : 03:00 घंटा	**अनुभाग अ- वस्तुनिष्ठ प्रश्न** **अनुभाग ब- लघु उत्तरीय प्रश्न** **अनुभाग स- दीर्घ उत्तरीय प्रश्न**	**60**
कोई टिप्पणी / सुझाव		

भाग अ- परिचय			
कार्यक्रम :	कक्षा : स्नातकोत्तर तृतीय सेमे. तृतीय प्रश्न पत्र	वर्ष: द्वितीय	सत्र:
विषय : हिंदी साहित्य			

1	पाठ्यक्रम का कोड	....	
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	हिंदी नाटक एवं एकांकी	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार	केंद्रिक पाठ्यक्रम	
4	पूर्वापेक्षा	स्नातक उत्तीर्ण विद्यार्थी इस पाठयक्रम के लिए पात्र हैं।	
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम)	**इस पाठयक्रम के सफल समापन पर विद्यार्थी निम्न में सक्षम होंगे** 1. हिंदी नाटक एवं एकांकी के ज्ञान से साहित्यिक समझ में वृद्धि होगी। 2. नाटक की विभिन्न शैलियों और तकनीकों को समझ पाएंगे। 3. भारतीय संस्कृति और समाज के विभिन्न पहलुओं को समझ सकेंगे। 4. रंगमंच की तकनीक जान सकेंगे।	
6	क्रेडिट मान	05	
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 60+40	न्यूनतम उत्तीर्णांक : 40

भाग ब – पाठयक्रम की विषयवस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या– 90(व्याख्यान+गतिविधि)

इकाई	विषय	व्याख्यान की सं. 90 (01घंटा/व्याख्यान)
प्रथम	**नाट्य साहित्य का उद्भव एवं विकास** नाट्य शब्द का अर्थ, परिभाषा (भारतीय एवं पाश्चात्य मत) नाट्य साहित्य के प्रकार भारतीय ज्ञान परंपरा और नाट्य साहित्य का विकास **गतिविधि –रेखांकन**	15+3 (व्याख्यान+गतिविधि)
द्वितीय	**हिंदी एकांकी : उद्भव एवं विकास** एकांकी : परिभाषा और तत्व (भारतीय और पाश्चात्य मत) हिंदी एकांकी का विकास **गतिविधि –प्रवाह तालिका**	15+3 (व्याख्यान+गतिविधि)
तृतीय	रंगमंच की विकास यात्रा रंगमंच का स्वरूप भारतीय और पाश्चात्य निर्देशन एवं अभिनय सिद्धांत - भारतीय और पाश्चात्य मत रंगमंच की शास्त्रीय और लोकधर्मी अवधारणा **गतिविधि – रंगमंच भ्रमण**	15+3 (व्याख्यान+गतिविधि)

मंजु तिवारी

चतुर्थ	**हिंदी के प्रमुख नाटक एवं नाटककार** चन्द्रगुप्त जयशंकर प्रसाद लहरों के राजहंस मोहन राकेश अक्षयवट सुरेश चंद्र शुक्ल एक कंठ विषपायी - दुष्यंत कुमार **गतिविधि – नाट्य मंचन**	15+3 (व्याख्यान+गतिविधि)
पंचम	**हिंदी के प्रमुख एकांकी एवं एकांकीकार** दीपदान डॉ. रामकुमार वर्मा मातृभूमि का मान हरिकृष्ण प्रेमी नये मेहमान उदयशंकर भट्ट स्ट्राइक भुवनेश्वर भोर का तारा जगदीशचंद्र माथुर भारत दुर्दशा - भारतेन्दु हरिशचंद्र **गतिविधि – नाट्य मंचन**	15+3 (व्याख्यान+गतिविधि)

सार बिंदु (Keywords/Tags):नाट्य साहित्य, एकांकी, नाटक, रंगमंच

भाग स –अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

अनुशंसित सहायक पुस्तकें / ग्रंथ/ अन्य पाठ्य संसाधन/ पाठ्य सामग्री

1.नाट्य शास्त्र की भारतीय परंपरा और दशरूपक : हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन
2. रंगमंच और नाटक की भूमिका : लक्ष्मीनारायण लाल . नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
3. रंगदर्शन नेमीचंद्र जैन, राधाकृष्ण प्रकाशन
4. हिंदी नाटक:उद्भव और विकास-दशरथ ओझा, राजपाल एंड संस
5. हिंदी नाटक आज-कल-जयदेय तनेजा, तक्षशिला प्रकाशन
6. हिंदी एकांकी-सिद्धनाथ कुमार, नेहा पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रिब्यूटर्स दिल्ली 2000
7. एकांकी उद्भव और विकास मंजरी त्रिपाठी, ज्ञान-विज्ञान प्रकाशन, दिल्ली
8. नए एकांकी सं. अज्ञेय, राजपाल एंड संस, नयी दिल्ली
9. भारतीय ज्ञान परंपरा - स. अशोक कड़ेल , मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल
10. संवाद और हस्तक्षेप खंड 27 भारतीय ज्ञान परंपरा, सं. कैलाशचंद्र पंत, मध्यप्रदेश राष्ट्र भाषा प्रचार समिति, भोपाल

अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म/बेबलिंक

https://books.google.com

https://egyankosh.ac.in

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम

भाग द - अनुशंसित मूल्यांकन विधियां

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां

<table>
<tr><td colspan="3">अधिकतम अंक : 100
सतत व्यापक मूल्यांकन अंक : 40 विश्वविद्यालय परीक्षा (UE): 60</td></tr>
<tr><td>आंतरिक मूल्यांकन :
सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE):</td><td>क्लास टेस्ट
असाइनमेंट/ प्रस्तुतिकरण (Presentation)</td><td>20
20= 40</td></tr>
<tr><td>आकलन:
विश्वविद्यालयीन परीक्षा
समय : 03:00 घंटा</td><td>अनुभाग अ- वस्तुनिष्ठ प्रश्न
अनुभाग ब- लघु उत्तरीय प्रश्न
अनुभाग स- दीर्घ उत्तरीय प्रश्न</td><td>60</td></tr>
<tr><td colspan="3">कोई टिप्पणी / सुझाव</td></tr>
</table>

भाग अ- परिचय			
कार्यक्रम :	कक्षा : स्नातकोत्तर तृतीय सेमे. चतुर्थ प्रश्न पत्र	वर्ष: द्वितीय	सत्र:

विषय : हिंदी साहित्य

1	पाठ्यक्रम का कोड	....
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	हिंदी आलोचना
3	पाठ्यक्रम का प्रकार	केंद्रिक पाठ्यक्रम
4	पूर्वापेक्षा	स्नातक उत्तीर्ण विद्यार्थी इस पाठयक्रम के लिए पात्र हैं।
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम)	**इस पाठयक्रम के सफल समापन पर विद्यार्थी निम्न में सक्षम होंगे** 1. साहित्यिक कृतियों की गहराई और अर्थ को समझ सकेंगे। 2. आलोचनात्मक सोच में वृद्धि होने से साहित्यिक कृतियों का विश्लेषण कर सकेंगे। 3. साहित्यिक कृतियों के मूल्यांकन के लिए विभिन्न मानकों और दृष्टिकोणों को समझ पाएंगे।
6	क्रेडिट मान	05
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 60+40 न्यूनतम उत्तीर्णांक : 40

भाग ब – पाठयक्रम की विषयवस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या- 90(व्याख्यान+गतिविधि)

इकाई	विषय	व्याख्यान की सं. 90 (01घंटा/व्याख्यान)
प्रथम	**आलोचना की अवधारणा एवं स्वरूप** आलोचना: शाब्दिक व्युत्पत्ति, अर्थ , परिभाषा, स्वरूप (भारतीय और पाश्चात्य मत) भारतीय ज्ञान परंपरा और समालोचना का स्वरूप **गतिविधि –प्रवाह तालिका**	15+3 (व्याख्यान+गतिविधि)
द्वितीय	**हिंदी आलोचना का इतिहास** हिंदी आलोचना की पृष्ठभूमि हिंदी आलोचना: स्वतंत्रता के पूर्व हिंदी आलोचना: स्वातंत्र्योतर **गतिविधि – रेखांकन**	15+3 (व्याख्यान+गतिविधि)
तृतीय	**हिंदी आलोचना के प्रमुख प्रकार और उनका सैद्धांतिक स्वरूप** शास्त्रीय, सौष्ठववादी, ऐतिहासिक, तुलनात्मक, सौंदर्य शास्त्रीय, शैली वैज्ञानिक, मनोविश्लेषणवादी, समाजशास्त्रीय, व्यावहारिक समीक्षा **गतिविधि –शोध आलेख**	15+3 (व्याख्यान+गतिविधि)

चतुर्थ	हिंदी के प्रमुख आलोचक और उनके आलोचना सिद्धांत (रामचंद्र शुक्ल, हजारी प्रसाद, नन्ददुलारे वाजपेयी, रामविलास शर्मा, नगेंद्र, नामवर सिंह) **गतिविधि –पुस्तकालय**	15+3 (व्याख्यान+गतिविधि)
पंचम	रचनाकार आलोचक और उनके आलोचना सिद्धांत (अयोध्या सिंह उपाध्याय "हरिऔध", महावीर प्रसाद द्विवेदी, सच्चिदानंद हीरानंद वात्सायन "अज्ञेय", गजानंद माधव "मुक्तिबोध", विजयदेव नारायण साही) **गतिविधि – आलेख लेखन**	15+3 (व्याख्यान+गतिविधि)

सार बिंदु (Keywords/Tags): आलोचना, भारतीय ज्ञान परंपरा और आलोचना , आलोचना सिद्धांत

भाग स –अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

अनुशंसित सहायक पुस्तकें / ग्रंथ/ अन्य पाठ्य संसाधन/ पाठ्य सामग्री

1. आचार्य रामचंद्र शुल्क और हिंदी आलोचना-रामविलास शर्मा, विनोद पुस्तक मंदिर आगरा
2. दूसरी परंपरा की खोज-डॉ. नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन
3. साहित्य और इतिहास दृष्टि-मेनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन
4. रामचंद्र शुक्ल मलयज, राजकमल प्रकाशन
5. हिंदी आलोचना-विश्वनाथ त्रिपाठी , राजकमल प्रकाशन
6. हिंदी आलोचना के बीज शब्द-बच्चन सिंह, वाणी प्रकाशन
7. नंद दुलारे वाजपेयी:रचना संचयन-सं. सत्यवान, साहित्य अकादमी नई दिल्ली
8. संवाद और हस्तक्षेप खंड 27 भारतीय ज्ञान परंपरा, सं. कैलाशचंद्र पंत, मध्यप्रदेश राष्ट्र भाषा प्रचार समिति, भोपाल
9. भारतीय ज्ञान परंपरा - सं. अशोक कड़ेल , मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल

अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म/वेबलिंक

https://egyankosh.ac.in

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम

भाग द - अनुशंसित मूल्यांकन विधियां

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां

अधिकतम अंक : 100

सतत व्यापक मूल्यांकन अंक : 40 विश्वविद्यालय परीक्षा (UE): 60

आंतरिक मूल्यांकन : **सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE):**	**क्लास टेस्ट** **असाइनमेंट/ प्रस्तुतिकरण (Presentation)**	**20** **20= 40**
आकलन: **विश्वविद्यालयीन परीक्षा** **समय : 03:00 घंटा**	**अनुभाग अ- वस्तुनिष्ठ प्रश्न** **अनुभाग ब- लघु उत्तरीय प्रश्न** **अनुभाग स- दीर्घ उत्तरीय प्रश्न**	**60**

कोई टिप्पणी / सुझाव

भाग अ- परिचय			
कार्यक्रम :	कक्षा : स्नातकोत्तर चतुर्थ सेमे. प्रथम प्रश्न पत्र	वर्ष: द्वितीय वर्ष	सत्र:

विषय : हिंदी साहित्य

1	पाठ्यक्रम का कोड	....	
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	हिंदी साहित्य और भारतीय ज्ञान परंपरा	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार	केंद्रिक पाठ्यक्रम	
4	पूर्वापेक्षा	स्नातक उत्तीर्ण विद्यार्थी इस पाठयक्रम के लिए पात्र हैं।	
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम)	**इस पाठयक्रम के सफल समापन पर विद्यार्थी निम्न में सक्षम होंगे** 1.विद्यार्थी हिंदी साहित्य, भारतीय ज्ञान परंपरा एवं भारतीय संस्कृति की गहराई और विविधता को जान सकेंगे। 2. विद्यार्थी भारतीय साहित्य एवं ज्ञान परंपरा और भारतीय इतिहास के विभिन्न पहलुओं को समझ सकेंगे। 3. भारतीय साहित्य में साहित्यिक सौंदर्य की भरपूरता है, विद्यार्थी इस तथ्य को जान पाएंगे। 4. भारतीय साहित्य एवं ज्ञान परंपरा को जानने से विद्यार्थी अपनी राष्ट्रीय पहचान को समझ सकेंगे।	
6	क्रेडिट मान	05	
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 60+40	न्यूनतम उत्तीर्णांक : 40

भाग ब – पाठ्यक्रम की विषयवस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या– 90 (व्याख्यान+गतिविधि)

इकाई	विषय	व्याख्यान की सं. 90 (01घंटा/व्याख्यान)
प्रथम	भारत बोध और भारतीयता भारतवर्ष का भौगोलिक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य भारतीयता की अवधारणा और भारतीय मान-मूल्य भारतीय काल- बोध **गतिविधि –भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ का भ्रमण**	15+3 (व्याख्यान+गतिविधि)
द्वितीय	भारतीय ज्ञान-दृष्टि और परंपरा ज्ञान की भारतीय अवधारणा, ज्ञान की प्राप्ति के विविध स्रोत, ज्ञान का प्रयोजन एवं निकष, विविध ज्ञान परंपराएँ **गतिविधि – समूह चर्चा**	15+3 (व्याख्यान+गतिविधि)
तृतीय	भारतीय ज्ञान परंपरा के विविध संदर्भ- दार्शनिक संदर्भ (वेदांत, अद्वैत , न्याय,मीमांसा आदि)	15+3 (व्याख्यान+गतिविधि)

	सांस्कृतिक संदर्भ (तीर्थाटन, पर्व, दान आदि परंपराएँ) साहित्यिक संदर्भ (रामायण, महाभारत, पुराण आदि) अन्य विविध संदर्भ (आर्थिक, सामाजिक, धार्मिक आदि) **गतिविधि –पुस्तकालय अध्ययन**	
चतुर्थ	ज्ञान परंपरा के आख्यान, प्रश्न और प्रबोधन प्रविधि महालसा उपाख्यान , नासिकेतोपाख्यान, व्रतकथाओं में मूल्य दृष्टि, कथा सरित्सागर, पंचतंत्र, सिंहासन बत्तीसी, बैताल पचीसी **गतिविधि –भारतीय ज्ञान परंपरा से संबंधित पुस्तकों का अध्ययन**	15+3 (व्याख्यान+गतिविधि)
पंचम	हिंदी साहित्य में ज्ञान परंपरा नीति काव्य (तुलसी, रहीम, बिहारी, वृंद आदि) कुण्डलियाँ साहित्य (गिरिधर कविराय) कविताएँ (नर हो न निराश करो मन को - मैथिलीशरण गुप्त, कर्मवीर-हरिऔध) कहानी- (शरणागत- वृंदावनलाल वर्मा) निबंध- (आँगन का पंछी- विद्यानिवास मिश्र) **गतिविधि –कुण्डलियां, दोहे इत्यादि का पाठ**	15+3 (व्याख्यान+गतिविधि)

सार बिंदु **(Keywords/Tags):** भारत बोध, भारतीयता, भारतीय ज्ञान-दृष्टि, भारतीय ज्ञान परंपरा

भाग स –अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

अनुशंसित सहायक पुस्तकें / ग्रंथ/ अन्य पाठ्य संसाधन/ पाठ्य सामग्री

1. वेद विज्ञान आलोक:आचार्य अग्निव्रत नैष्ठिक, वैदिक स्वस्ति पंथान्यास। लोधा ऑफ़सेट लिमिटेड, जोधपुर
2. भारतीय साहित्य रामछबीला त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन
3. भारतीय चित्त, मानस व काल-धर्मपाल, सं. प्रो. गीता धर्मपाल, प्रो. संतोष कुमार वर्मा
4. आर्ष भारत:श्री राम तिवारी, विक्रमादित्य शोध पीठ
5. विक्रम संवत- डॉक्टर सरोज शुक्ला, विक्रमादित्य शोधपीठ प्रकाशन
6. भारतीय साहित्य:अध्ययन की नई दिशाएं- डॉ. प्रदीप श्रीधर, तक्षशिला प्रकाशन
7. भारतीय साहित्य- डॉ. नगेंद्र, प्रभात प्रकाशन
8. भारतीय ज्ञान परम्परा पर केंद्रित "रचना पत्रिका" का नवम्बर- दिसम्बर 2024 का अंक
9. संवाद और हस्तक्षेप खंड 27 भारतीय ज्ञान परंपरा, सं. कैलाशचंद्र पंत, मध्यप्रदेश राष्ट्र भाषा प्रचार समिति, भोपाल
10. भारतीय ज्ञान परंपरा - सं. अशोक कड़ेल , मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल

अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म/वेबलिंक

https://books.google.com

https://egyankosh.ac.in

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम

अंजु तिवारी

भाग द - अनुशंसित मूल्यांकन विधियां		
अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां अधिकतम अंक : 100 सतत व्यापक मूल्यांकन अंक : 40 विश्वविद्यालय परीक्षा (UE): 60		
आंतरिक मूल्यांकन : सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE):	क्लास टेस्ट असाइनमेंट/ प्रस्तुतिकरण (Presentation)	20 20= 40
आकलन: विश्वविद्यालयीन परीक्षा समय : 03:00 घंटा	अनुभाग अ- वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनुभाग ब- लघु उत्तरीय प्रश्न अनुभाग स- दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	60
कोई टिप्पणी / सुझाव		

भाग अ- परिचय				
कार्यक्रम :		कक्षा : स्नातकोत्तर चतुर्थ सेमे. द्वितीय प्रश्न पत्र	वर्ष: प्रथम	सत्र:
विषय : हिंदी साहित्य				
1	पाठ्यक्रम का कोड	....		
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	अनुवाद विज्ञान		
3	पाठ्यक्रम का प्रकार	केंद्रिक पाठ्यक्रम		
4	पूर्वापेक्षा	स्नातक उत्तीर्ण विद्यार्थी इस पाठयक्रम के लिए पात्र हैं।		
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम)	इस पाठयक्रम के सफल समापन पर विद्यार्थी निम्न में सक्षम होंगे 1. अनुवाद विज्ञान सीखने से भाषा कौशल में सुधार और विभिन्न भाषाओं के बीच अनुवाद करने में सक्षम होंगे। 2. अनुवाद विज्ञान से संचार कौशल में सुधार एवं विभिन्न भाषाओं के लोगों के साथ प्रभावी पद्धति से संवाद कर सकेंगे। 3. अनुवाद विज्ञान से विभिन्न संस्कृतियों की समझ में सुधार कर पाएंगे। 4. अनुवाद विज्ञान से विद्यार्थी विभिन्न भाषाओं और संस्कृतियों के बीच ज्ञान का आदान-प्रदान कर सकेंगे।		
6	क्रेडिट मान	05		
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 60+40	न्यूनतम उत्तीर्णांक : 40	

भाग ब – पाठयक्रम की विषयवस्तु		
व्याख्यान की कुल संख्या–		90 (व्याख्यान+गतिविधि)
इकाई	विषय	व्याख्यान की सं. 90 (01घंटा/व्याख्यान)
प्रथम	अनुवाद का स्वरूप: सीमाएँ एवं क्षेत्र, समस्याएँ अनुवाद और अनुवाद विज्ञान की अवधारणा और उसका स्वरूप अनुवाद के क्षेत्र और उनकी समस्याएँ - कार्यालयीन, वैज्ञानिक, व्यावसायिक तकनीकी, साहित्यिक, पत्रकारिता (जनसंचार- माध्यम) , विधि आदि। **गतिविधि – रेखांकन, प्रवाह तालिका**	15+3 (व्याख्यान+गतिविधि)
द्वितीय	अनुवाद की प्रक्रिया: प्रविधि और विधियाँ अनुवाद की प्रक्रिया : विश्लेषण, अंतरण एवं पुनर्गठन अनुवाद की प्रविधि : अनुवाद के तीन चरण स्रोत भाषा के पाठ का विश्लेषण और अर्थग्रहण की प्रक्रिया (क) स्रोत भाषा से लक्ष्य भाषा में अर्थांतरण की प्रक्रिया (ख) अनूदित पाठ का पुनर्गठन और अर्थ संप्रेषण की प्रक्रिया	15+3 (व्याख्यान+गतिविधि)

मंजु तिवारी

	अनुवाद परीक्षण की विधियाँ : पुनरीक्षण , संपादन, समीक्षा एवं मूल्यांकन **गतिविधि – अनुवाद अभ्यास**	
तृतीय	अनुवाद के प्रकार अनुवाद के प्रकार: पाठ के आधार पर अनुवाद के प्रकार: माध्यम के आधार पर अनुवाद के प्रकार: विषय के आधार पर **गतिविधि –रेखांकन**	15+3 (व्याख्यान+गतिविधि)
चतुर्थ	अनुवाद के सिद्धांत और उसका भाषिक पक्ष समतुल्यता का सिद्धांत : भाषा, भाव एवं शैली के संदर्भ में अनुवाद की इकाइयाँ : शब्द, रूप, पद, पदबंध, वाक्य एवं पाठ दो समसांस्कृतिक व विषम सांस्कृतिक भाषाओं का तुलनात्मक अध्ययन: भारतीय भाषाओं के संदर्भ में **गतिविधि –अनुवाद अभ्यास**	15+3 (व्याख्यान+गतिविधि)
पंचम	भारतीय ज्ञान परंपरा के विकास में अनुवाद का योगदान: भूमिका एवं महत्व वैदिक ज्ञान परंपरा और अनुवाद भारतीय कालजयी रचनाओं का अनुवाद परिचय: रामायण, महाभारत, भगवद् गीता आदि के संदर्भ में। अनूदित रचनाओं में अभिव्यक्त सामाजिक- सांस्कृतिक चेतना **गतिविधि –समूह चर्चा**	15+3 (व्याख्यान+गतिविधि)

सार बिंदु (Keywords/Tags): अनुवाद, अनुवाद प्रक्रिया, स्रोत भाषा, लक्ष्य भाषा

भाग स –अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

अनुशंसित सहायक पुस्तकें / ग्रंथ/ अन्य पाठ्य संसाधन/ पाठ्य सामग्री

1.अनुवाद कला - डॉ. एन. ई. विश्वनाथ अय्यर, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
2. अनुवाद विविध आयाम आगरा माणिक गोविन्द चतुर्वेदी और कृष्ण कुमार गोस्वामी, के.हिं.सं.
3. हिंदी का भाषिक और सामाजिक परिप्रेक्ष्य: कृष्ण कुमार गोस्वामी, साहित्य सहकत, दिल्ली
4. भाषा विज्ञान - वैश्ना नारंग, यश पब्लिकेशंस, नई दिल्ली
5. अनुवाद विज्ञान की भूमिका कृष्ण कुमार गोस्वामी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
6. संवाद और हस्तक्षेप खंड 27 भारतीय ज्ञान परंपरा, सं. कैलाशचंद्र पंत, मध्यप्रदेश राष्ट्र भाषा प्रचार समिति, भोपाल
7. भारतीय ज्ञान परंपरा - सं. अशोक कड़ेल , मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल
8. भाषा और समाज- भरत सिंह, आलेख प्रकाशन, दिल्ली
9. शैक्षिक व्याकरण और व्यावहारिक हिंदी- कृष्ण कुमार गोस्वामी, आलेख प्रकाशन, दिल्ली

अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म/वेबलिंक https://books.google.com https://egyankosh.ac.in		
अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम		
भाग द - अनुशंसित मूल्यांकन विधियां		
अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां अधिकतम अंक : 100 सतत व्यापक मूल्यांकन अंक : 40 विश्वविद्यालय परीक्षा (UE): 60		
आंतरिक मूल्यांकन : सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE):	क्लास टेस्ट असाइनमेंट/ प्रस्तुतिकरण (Presentation)	20 20= 40
आकलन: विश्वविद्यालयीन परीक्षा समय : 03:00 घंटा	अनुभाग अ- वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनुभाग ब- लघु उत्तरीय प्रश्न अनुभाग स- दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	60
कोई टिप्पणी / सुझाव		

भाग अ- परिचय

कार्यक्रम :	कक्षा : स्नातकोत्तर चतुर्थ सेमे. तृतीय प्रश्न पत्र	वर्ष: द्वितीय	सत्र:

विषय : हिंदी साहित्य

1	पाठ्यक्रम का कोड	....	
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	शैली विज्ञान	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार	केंद्रिक पाठ्यक्रम	
4	पूर्वापेक्षा	स्नातक उत्तीर्ण विद्यार्थी इस पाठयक्रम के लिए पात्र हैं।	
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम)	**इस पाठयक्रम के सफल समापन पर विद्यार्थी निम्न में सक्षम होंगे** 1. शैली विज्ञान को पढ़ने से विद्यार्थी अपने विचारों को प्रभावी पद्धति से व्यक्त कर सकेंगे। 2. शैली विज्ञान के अध्ययन से भाषा कौशल में सुधार करके विभिन्न शैलियों और शब्दावली का उपयोग कर सकेंगे। 3.शैली विज्ञान के अध्ययन से विद्यार्थी में साहित्यिक कृतियों की समझ विकसित होगी। 4. विद्यार्थी की रचनात्मकता में वृद्धि होगी और वे अपने लेखन में विभिन्न शैलियों और तकनीकों का उपयोग कर सकेंगे।	
6	क्रेडिट मान	05	
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 60+40	न्यूनतम उत्तीर्णांक : 40

भाग ब – पाठयक्रम की विषयवस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या– 90 (व्याख्यान+गतिविधि)

इकाई	विषय	व्याख्यान की सं. 90 (01घंटा/व्याख्यान)
प्रथम	शैली और शैली विज्ञान – अवधारणात्मक परिचय (भारतीय एवं पाश्चात्य मत) प्रकार्यगत विशेषताएँ एवं महत्व शैली विज्ञान और भाषा विज्ञान का अंतरसंबंध शैली विज्ञान की विकास यात्रा भारतीय ज्ञान परंपरा में शैली, शैली विज्ञान का स्वरूप एवं क्षेत्र **गतिविधि – आलेख लेखन / समीक्षा**	15+3 (व्याख्यान+गतिविधि)
द्वितीय	शैली विज्ञान की शाखाएँ - ध्वनि शैली विज्ञान, शब्द शैली विज्ञान, रूप शैली विज्ञान, वाक्य शैली विज्ञान, अर्थ शैली विज्ञान **गतिविधि–अभ्यास(किसी रचना में अप्रस्तुत विधान–समीक्षात्मक आलेख)**	15+3(व्याख्यान+गतिविधि)

तृतीय	शैली विज्ञान : विभिन्न प्रतिमान अग्रगामिता , चयन, संयोजन , विचलन, समानांतरता, अप्रस्तुतविधान , बहुअर्थता **गतिविधि – अभ्यास(किसी रचना की ध्वनिगत विशेषताएँ – आलेख)**	15+3 (व्याख्यान+गतिविधि)
चतुर्थ	शैली विज्ञान: भाषा की प्रकृति, सामान्य भाषा, मानक और शास्त्रभाषा, साहित्य भाषा , साहित्य भाषा के विश्लेषण के तत्व **गतिविधि –आलेख लेखन**	15+3 (व्याख्यान+गतिविधि)
पंचम	शैली विश्लेषण पाठ की संरचना, गठन एवं संसक्ति विन्यासक्रम , लेखीय शैली -विश्लेषण वाक्य- भाषा विश्लेषण गद्य भाषा विश्लेषण **गतिविधि – अभ्यास (किसी रचना में शब्द चयन–तालिका)**	15+3 (व्याख्यान+गतिविधि)

सार बिंदु (Keywords/Tags): शैली विज्ञान, अग्रगामिता, बहुअर्थता

भाग स –अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

अनुशंसित सहायक पुस्तकें / ग्रंथ/ अन्य पाठ्य संसाधन/ पाठ्य सामग्री

1. शैलीविज्ञान : भोलानाथ तिवारी, किताब घर प्रकाशन
2. संरचनात्मक शैलीविज्ञान रवींद्रनाथ श्रीवास्तव, आलेख प्रकाशन दिल्ली
3. शैलीविज्ञान : सुरेश कुमार, वाणी प्रकाशन
4. शैली और शैलीविज्ञान : सं. सुरेश कुमार, रवींद्रनाथ श्रीवास्तव,केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा
5. शैली और शैली विश्लेषण : पाण्डेय शशिभूषण शीतांशु- वाणी प्रकाशन
6. भाषा और समाज- भरत सिंह, आलेख प्रकाशन, दिल्ली
7. शैक्षिक व्याकरण और व्यावहारिक हिंदी- कृष्ण कुमार गोस्वामी, आलेख प्रकाशन, दिल्ली

अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म/वेबलिंक

https://books.google.com

https://egyankosh.ac.in

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम

भाग द - अनुशंसित मूल्यांकन विधियां

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां

अधिकतम अंक : 100

सतत व्यापक मूल्यांकन अंक : 40 विश्वविद्यालय परीक्षा (UE): 60

आंतरिक मूल्यांकन :	**क्लास टेस्ट**	**20**
सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE):	**असाइनमेंट/ प्रस्तुतिकरण (Presentation)**	**20+ 40**

आकलन: विश्वविद्यालयीन परीक्षा समय : 03:00 घंटा	अनुभाग अ- वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनुभाग ब- लघु उत्तरीय प्रश्न अनुभाग स- दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	60
कोई टिप्पणी / सुझाव		

भाग अ- परिचय			
कार्यक्रम :	कक्षा : स्नातकोत्तर चतुर्थ सेमे. वैकल्पिक प्रश्न पत्र: कथाकार प्रेमचंद	वर्ष: द्वितीय	सत्र:

विषय : हिंदी साहित्य		
1	पाठ्यक्रम का कोड	....
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	कथाकार प्रेमचंद (वैकल्पिक प्रश्न पत्र)
3	पाठ्यक्रम का प्रकार	वैकल्पिक पाठ्यक्रम
4	पूर्वापेक्षा	स्नातक उत्तीर्ण विद्यार्थी इस पाठयक्रम के लिए पात्र हैं।
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम)	**इस पाठयक्रम के सफल समापन पर विद्यार्थी निम्न में सक्षम होंगे** 1.प्रेमचंद के साहित्य में ग्रामीण जीवन की वास्तविकता का चित्रण किया गया है, जिसमें किसानों की समस्याएं, सामाजिक अन्याय एवं आर्थिक कठिनाइयों का वर्णन है, जिससे विद्यार्थी ग्रामीण जीवन के बारे में जान सकेंगे। 2. प्रेमचंद के साहित्य में सामाजिक सुधार की आवश्यकता पर बल दिया गया है। विद्यार्थी जातिवाद, अंधविश्वास एवं महिला उत्पीड़न जैसे मुद्दों को जान सकेंगे। 3. प्रेमचंद के साहित्य में मानव मूल्यों का महत्व दर्शाया गया है, जिसमें सच्चाई, न्याय, और करुणा जैसे मूल्यों को बढ़ावा दिया गया है, विद्यार्थी इन मूल्यों को सीख सकेंगे।
6	क्रेडिट मान	05
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 60+40 / न्यूनतम उत्तीर्णांक : 40

भाग ब – पाठयक्रम की विषयवस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या– 90 (व्याख्यान+गतिविधि)

इकाई	विषय	व्याख्यान की सं. 90 (01घंटा/व्याख्यान)
प्रथम	आधुनिक काल की पृष्ठभूमि और प्रेमचंद प्रेमचंद युगीन पृष्ठभूमि -- राजनैतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि और साहित्यिक वातावरण **गतिविधि –रेखांकन**	15+3 (व्याख्यान+गतिविधि)
द्वितीय	भारतीय ज्ञान परंपरा और हिंदी कथा साहित्य का विकास एवं प्रेमचंद हिंदी कहानी का विकास हिंदी उपन्यास का विकास **गतिविधि –आलेख लेखन**	15+3 (व्याख्यान+गतिविधि)

तृतीय	प्रेमचंद का व्यक्तित्व और कृतित्व प्रेमचंद जीवन परिचय कथाकार प्रेमचंद प्रमुख रचनाएँ **गतिविधि –संग्रहालय भ्रमण**	15+3 (व्याख्यान+गतिविधि)
चतुर्थ	प्रेमचंद की प्रमुख कहानियाँ, समीक्षा एवं व्याख्या (दुनिया का सबसे अनमोल रतन, नमक का दरोगा, मंत्र, परीक्षा, बूढ़ी काकी) **गतिविधि –कहानी पाठ**	15+3 (व्याख्यान+गतिविधि)
पंचम	प्रेमचंद के प्रमुख उपन्यास – समीक्षा और व्याख्या (गबन, कर्मभूमि, गोदान) **गतिविधि – संगोष्ठी**	15+3 (व्याख्यान+गतिविधि)

सार बिंदु (Keywords/Tags): प्रेमचंद का व्यक्तित्व व कृतित्व, हिंदी कहानी का विकास , हिंदी उपन्यास का विकास

भाग स –अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

अनुशंसित सहायक पुस्तकें / ग्रंथ/ अन्य पाठ्य संसाधन/ पाठ्य सामग्री

1.प्रेमचंद: घर में-शिवरानी देवी , नयी किताब प्रकाशन
2. प्रेमचंद : एक विवेचन-इंद्रनाथ मदान, राजकमल प्रकाशन
3. प्रेमचंद और उनका युग -रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन
4. प्रेमचंद: कलम का सिपाही-अमृतराय, राजकमल प्रकाशन
5. प्रेमचंद जीवन, कला एवं कृतित्व -हंसराज रहबर, फारसाइट प्रकाशक
6. प्रेमचंद : साहित्यिक विवेचन -नंददुलारे वाजपेयी, राजकमल प्रकाशन
7. प्रेमचंद : एक अध्ययन-राजेश्वर गुरु, मध्यप्रदेशीय प्रकाशक समिति, भोपाल
8. प्रेमचंद की उपन्यास कला-जनार्दन प्रसाद झा, सं. भारत भारद्वाज, नयी किताब प्रकाशन
9. प्रेमचंद एवं भारतीय किसान-रामबक्ष, वाणी प्रकाशन
10.प्रेमचंद:एक नया अध्ययन-प्रो. अली अहमद फातमी, हिंदुस्तानी अकादमी इलाहाबाद

अनुशसित डिजिटल प्लेटफॉर्म/बेबलिंक

https://books.google.com

https://egyankosh.ac.in

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम

भाग द - अनुशंसित मूल्यांकन विधियां

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां

अधिकतम अंक : 100

सतत व्यापक मूल्यांकन अंक : 40 विश्वविद्यालय परीक्षा (UE): 60

आंतरिक मूल्यांकन :	**क्लास टेस्ट**	**20**
सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE):	**असाइनमेंट/ प्रस्तुतिकरण (Presentation)**	**20= 40**

आकलन: विश्वविद्यालयीन परीक्षा समय : 03:00 घंटा	अनुभाग अ- वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनुभाग ब- लघु उत्तरीय प्रश्न अनुभाग स- दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	60
कोई टिप्पणी / सुझाव		

भाग अ- परिचय				
कार्यक्रम :		कक्षा : स्नातकोत्तर चतुर्थ सेमे. वैकल्पिक प्रश्न पत्र: तुलसीदास	वर्ष: द्वितीय	सत्र:
विषय : हिंदी साहित्य				
1	पाठ्यक्रम का कोड	....		
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	तुलसीदास (वैकल्पिक प्रश्न पत्र)		
3	पाठ्यक्रम का प्रकार	वैकल्पिक पाठ्यक्रम		
4	पूर्वापेक्षा	स्नातक उत्तीर्ण विद्यार्थी इस पाठयक्रम के लिए पात्र है।		
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम)	इस पाठयक्रम के सफल समापन पर विद्यार्थी निम्न में सक्षम होंगे 1. तुलसीदास के साहित्य में आध्यात्मिक ज्ञान का विस्तृत वर्णन किया गया है. जिसमें भगवान राम की भक्ति और उपासना का महत्व दर्शाया गया है, विद्यार्थी इससे परिचित होंगे। 2. तुलसीदास के साहित्य में नैतिक मूल्यों का महत्व दर्शाया गया है, जिसमें सत्य, न्याय, और करुणा जैसे मूल्यों को बढ़ावा दिया गया है, विद्यार्थी इन गुणों को सीख सकेंगे। 3. विद्यार्थियों में यह समझ विकसित होगी कि तुलसीदास एक लोकवादी कवि हैं तथा उनकी रचना लोकमंगल को समेटे हुए है।		
6	क्रेडिट मान	05		
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 60+40	न्यूनतम उत्तीर्णांक : 40	

भाग ब – पाठयक्रम की विषयवस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या–		90 (व्याख्यान+गतिविधि)
इकाई	विषय	व्याख्यान की सं. 90 (01घंटा/व्याख्यान)
प्रथम	भारतीय ज्ञान परंपरा और भक्तिकाल युगीन पृष्ठभूमि – सांस्कृतिक, राजनीतिक, सामाजिक प्रमुख काव्यधाराओं का वर्गीकरण राम काव्यधारा के प्रमुख कवि और रचनाएँ **गतिविधि –प्रवाह तालिका**	15+3 (व्याख्यान+गतिविधि)
द्वितीय	तुलसीदास व्यक्तित्व और कृतित्व व्यक्तित्व- जीवन परिचय, काव्य की विशेषताएँ, दर्शन, भक्ति, लोक मंगल, समन्वय **गतिविधि – संगोष्ठी**	15+3 (व्याख्यान+गतिविधि)
तृतीय	रामचरितमानस अयोध्याकाण्ड, उत्तरकाण्ड (समीक्षा एवं व्याख्या) **गतिविधि – मानस पाठ**	15+3 (व्याख्यान+गतिविधि)

चतुर्थ	कवितावली (समीक्षा एवं व्याख्या) **गतिविधि –आलेख लेखन**	15+3 (व्याख्यान+गतिविधि)
पंचम	विनयपत्रिका (समीक्षा एवं व्याख्या) **गतिविधि – पाठ**	15+3 (व्याख्यान+गतिविधि)

सार बिंदु (Keywords/Tags): तुलसीदास, रामचरितमानस, कवितावली, लोक मंगल

भाग स –अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

अनुशंसित सहायक पुस्तकें / ग्रंथ/ अन्य पाठ्य संसाधन/ पाठ्य सामग्री

1. गोस्वामी तुलसीदास-रामचंद्र शुक्ल, प्रकाशन संस्थान
2. तुलसी साहित्य में नीति, भक्ति और दर्शन-डॉ. हरिशचंद्र शर्मा, संजीव प्रकाशन कुरुक्षेत्र
3. तुलसी का मानस - मुशीराम शर्मा, ग्रंथ माला
4. तुलसी काव्य दर्शन-डॉ. रामलाल सिंह, लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद
5. तुलसी साहित्य सुधा-डॉ. भागीरथ मिश्र, साहित्य भवन इलाहाबाद
6. तुलसीदास:आलोचनात्मक अध्ययन-श्री भारत भूषण 'सरोज', विनोद पुस्तक मंदिर आगरा

अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म/वेबलिंक

https://books.google.com

https://egyankosh.ac.in

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम

भाग द - अनुशंसित मूल्यांकन विधियां

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां

अधिकतम अंक : 100

सतत व्यापक मूल्यांकन अंक : 40 विश्वविद्यालय परीक्षा (UE): 60

आंतरिक मूल्यांकन : **सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE):**	**क्लास टेस्ट** **असाइनमेंट/ प्रस्तुतिकरण (Presentation)**	**20** **20= 40**
आकलन: **विश्वविद्यालयीन परीक्षा** **समय : 03:00 घंटा**	**अनुभाग अ- वस्तुनिष्ठ प्रश्न** **अनुभाग ब- लघु उत्तरीय प्रश्न** **अनुभाग स- दीर्घ उत्तरीय प्रश्न**	**60**

कोई टिप्पणी / सुझाव

भाग अ- परिचय				
कार्यक्रम :	कक्षा : स्नातकोत्तर चतुर्थ सेमे. वैकल्पिक प्रश्न पत्र: दृश्य-श्रव्य माध्यम		वर्ष: द्वितीय	सत्र:
विषय : हिंदी साहित्य				
1	पाठ्यक्रम का कोड	....		
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	दृश्य-श्रव्य माध्यम (वैकल्पिक प्रश्न पत्र)		
3	पाठ्यक्रम का प्रकार	वैकल्पिक पाठ्यक्रम		
4	पूर्वापेक्षा	स्नातक उत्तीर्ण विद्यार्थी इस पाठयक्रम के लिए पात्र हैं।		
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम)	इस पाठयक्रम के सफल समापन पर विद्यार्थी निम्न में सक्षम होंगे 1.दृश्य-श्रव्य माध्यम के अध्ययन से विद्यार्थी के संचार कौशल में सुधार हो सकेगा। 2.इससे विद्यार्थी विचारों को प्रभावी ढंग से व्यक्त कर सकेंगे। 3.दृश्य-श्रव्य माध्यम को जानने से विद्यार्थी की मीडिया साक्षरता में सुधार होगा। विद्यार्थी की सृजनात्मकता में वृद्धि होती है, जिससे वे अपने विचारों को नए और अनोखे पद्धति से व्यक्त कर सकेंगे।		
6	क्रेडिट मान	05		
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 60+40	न्यूनतम उत्तीर्णांक : 40	

भाग ब – पाठयक्रम की विषयवस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या– 90 (व्याख्यान+गतिविधि)

इकाई	विषय	व्याख्यान की सं. 90 (01घंटा/व्याख्यान)
प्रथम	दृश्य -श्रव्य हिंदी माध्यम लेखन का स्वरूप भारतीय ज्ञान परंपरा और दृश्य श्रव्य हिंदी माध्यम लेखन का क्षेत्र दृश्य श्रव्य हिंदी माध्यम लेखन का प्रकार **गतिविधि -रेखांकन**	15+3 (व्याख्यान+गतिविधि)
द्वितीय	दृश्य माध्यम के प्रमुख प्रकार टेली ड्रामा, टेली फिल्म, डॉक्यूमेंट्री फिल्म एवं टी.वी. धारावाहिक में तुलनात्मक विमर्श संचार माध्यम के विविध रूप **गतिविधि -शॉर्ट फिल्म लेखन**	15+3 (व्याख्यान+गतिविधि)
तृतीय	श्रव्य माध्यम के प्रमुख प्रकार रेडियो, धारावाहिक, रेडियो रूपांतरण, रेडियो फैन्टेसी, संगीत, रूपक, आलेख रूपक (डॉक्यूमेंट्री फिल्म) **गतिविधि – रेडियो रूपांतरण**	15+3 (व्याख्यान+गतिविधि)

चतुर्थ	इलेक्ट्रॉनिक मीडिया द्वारा प्रसारित समाचार संकलन इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्रस्तुतिकरण की प्रविधि **गतिविधि – समाचार लेखन**	15+3 (व्याख्यान+गतिविधि)
पंचम	संचार माध्यमों की भाषा आधुनिक जनसंचार और सूचना आधुनिक संचार माध्यमों में संभावनाएँ और चुनौतियाँ **गतिविधि –आलेख लेखन**	15+3 (व्याख्यान+गतिविधि)

सार बिंदु (Keywords/Tags): दृश्य -श्रव्य माध्यम, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, संचार माध्यम

भाग स –अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

अनुशंसित सहायक पुस्तकें / ग्रंथ/ अन्य पाठ्य संसाधन/ पाठ्य सामग्री

1 आधुनिक मीडिया लेखन एवं हिन्दी रचना, डॉ. अशोक बत्रा, लक्ष्मी प्रकाशन
2. मीडिया संचार माध्यम एवं लेखन कला, रामप्रसाद मौर्य, अर्जुन पब्लिशिंग हाउस
3. प्रयोजन मूलक हिन्दी की नयी भूमिका, कैलाशनाथ पाण्डेय, राजकमल प्रकाशन प्राइवेट लिमि
4. अनुवाद सिद्धांत एवं प्रविधि, भोलानाथ तिवारी, किताबघर प्रकाशन
5. हिन्दी पत्रकारिता एवं निबंध लेखन, प्रो. राजेन्द्र प्रसाद श्रीवास्तव, भवदीय प्रकाशन, अयोध्या फैजाबाद
6. राजभाषा हिंदी, कैलाशचन्द्र भाटिया, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
7. हिंदी में मीडिया लेखन और अनुवाद, डॉ रामगोपाल सिंह, पार्श्व प्रकाशन, अहमदाबाद
8. इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, सुधीर सोनी, यूनिवर्सिटी पब्लिकेशन, जयपुर
9. प्रयोजनमूलक हिंदी, डॉ रामगोपाल सिंह, पार्श्व प्रकाशन, अहमदाबाद
10. जनसंचार विविध आयाम, डॉ माणिक मृगेश, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
11. समाचार पत्रों की भाषा, डॉ माणिक मृगेश, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
12. व्यावहारिक हिंदी, रामकिशोर शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
13. हिंदी ब्लॉगिंग का इतिहास, रवीन्द्र प्रभात, हिंदी साहित्य निकेतन, बिजनौर, उ.प्र.

अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म/वेबलिंक

https://books.google.com

https://egyankosh.ac.in

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम

भाग द - अनुशंसित मूल्यांकन विधियां

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां

अधिकतम अंक : 100

सतत व्यापक मूल्यांकन अंक : 40 विश्वविद्यालय परीक्षा (UE): 60

आंतरिक मूल्यांकन :	**क्लास टेस्ट**	**20**
सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE):	**असाइनमेंट/ प्रस्तुतिकरण (Presentation)**	**20= 40**

मंजु तिवारी

आकलन: विश्वविद्यालयीन परीक्षा समय : 03:00 घंटा	अनुभाग अ- वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनुभाग ब- लघु उत्तरीय प्रश्न अनुभाग स- दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	60
कोई टिप्पणी / सुझाव		